समास

	प्रमुख समास	पद की प्रधानता
(1)	अव्ययी भाव समास में	पूर्वपद प्रधान होता है।
(2)	तत्पुरुष समास में (ख) कर्मधारय समास में (क) द्विगु समास में	उत्तरपद प्रधान होता है। उत्तरपद प्रधान होता है। उत्तरपद प्रधान होता है।
(3)	द्वन्द्व समास में	दोनों पद प्रधान होता है।
(4)	बहुव्रीहि समास में	दोनों पद अप्रधान होता है।

अव्ययीभाव समास

समस्त पद	अव्यय	विग्रह
प्रतिदिन	प्रति + दिन	दिन दिन
यथाशक्ति	यथा + शक्ति	शक्ति के अनुसार
आमरण	आ + मरण	मरण तक
अनुरुप	अनु + रुप	रुप के योग्य
यथाक्रम	यथा + क्रम	क्रम के अनुसार
भरपेट	भर + पेट	पेटभर

कर्मधारय समास

विशेषण	विशेष्य	
नीलकंठ	नील+ कंठ	नीलाकंठ
नीलकमल	नील + कमल	नीलाकमल
पीतांबर	पीत + अंबर	पीलावस्त्र
महादेव	महा +देव	महान देवता
नीलगाय	–नीली है जो गाय	
परमानन्द	–परम है जो आनन्द	
नीलकंठ	–नीला है जो कंठ	
महात्मा	–महान है जो आत्मा	
सद्धर्म	–सत् है जो धर्म	
अधपका	–आधा है जो पका	

(तत्पुरुष समास के भेद)

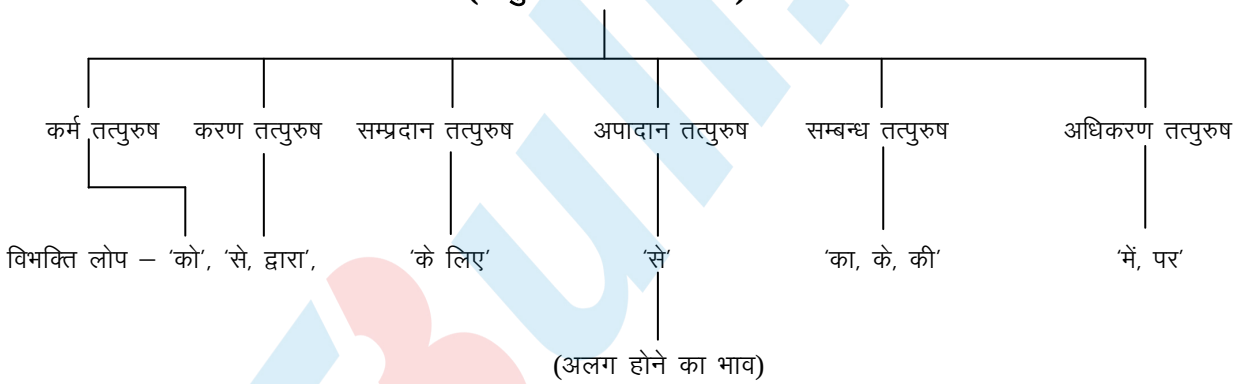

EduBull.com